सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शनिवार, 17 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 140, पृष्ठः 8+4

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

इनसाइड सरकारी सफाईकर्मी नाबालिगों से करवा रहे मजदूरी... » Pg08

» Pg12

भारत गौरवान्वित हैं

90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले नीरज की मोदी ने की तारीफ

नीरज ने शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर भाला फेंका और आखिरकार 90 मीटर की सीमा को पार कर लिया। हालांकि, उन्हें दूसरे स्थान पर रहना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज की तारीफ की है। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने करियर में पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा छुआ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनकी तारीफकिए बिना नहीं रह सके। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में ऐसा किया, लेकिन दूसरे स्थान पर रहे।

पीएम ने की तारीफ

शानदार उपलब्धि पर भारत खुश और गौरवान्वित है

सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पीएम मोदी ने लिखा, 'भारत खुश और गौरवान्वित है।' पीएम ने लिखा, 'शानदार उपलब्धि! दोहा डायमंड लीग 2025 में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने और अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत थ्रो हासिल करने के लिए नीरज चोपड़ा को बधाई। यह उनके अथक समर्पण, अनुशासन और जुनून का नतीजा है।' जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91 मीटर दूर भाला फेंका और पहला स्थान हासिल किया।

शहबाज ने माना- पाकिस्तान में गिरीं भारतीय मिसाइलें

पहली बार माना कि भारतीय मिसाइलों ने हमारे कई एयरबेस को नुकसान पहुंचाया

इस्लामाबाद। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौ पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। भारत के दावों का खंडन कर रहे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पहली बार स्वीकार किया है कि भारतीय मिसाइलें नूर खान एयरबेस व अन्य जगहों पर गिरीं। उन्होंने कहा कि हमले की रात ही सेना प्रमुख मुनीर ने उन्हें जानकारी दे दी थी। पड़ोसी देश के शीर्ष नेतृत्व ने भी पहली बार सैन्य अड्डों को नुकसान की बात कबूल की है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने आखिर मान लिया है कि भारत ने पाकिस्तानी एयरबेस पर मिसाइलों से हमले किए थे। खास बात यह है कि शहबाज ने यह भी कहा कि उन्हें इस हमले की जानकारी हमले की रात खुद सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने दी थी। बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने की जानकारी मुनीर से मिली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के हमलों में मारे गए पाकिस्तानी सैनिकों के लिए देश भर में आयोजित धन्यवाद दिवस (यौम ए तशाकुर) के मौके पर शहबाज ने कहा, सिपहसालार असीम मुनीर ने मुझे 9 और 10 मई की दरमियानी रात को करीब 2:30 बजे सिक्योर्ड लाइन पर फोन कर मुझे बताया, वजीर ए आजम साहब, हिंदुस्तान ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल अभी लॉन्च किए हैं। इनमें से एक नूर खान एयरपोर्ट पर गिरा है और दूसरे कुछ दूसरे इलाकों में गिरे हैं।

पाकिस्तान के खुद के झूठ का पदार्फाश : शहबाज शरीफ का कबूलनामा पाकिस्तान के खुद के झूठ का पदार्फाश करता है क्योंकि वह लगातार यह दावा करता रहा है कि भारत के हमले में उसका खास नुकसान नहीं हुआ है। यहां तक कि वह अपने वायुसेना अड्डों को भी किसी तरह के नुकसान से इन्कार करता रहा है। पाकिस्तान अब धीरे-धीरे भारत के हाथों हुए नुकसान को लोगों के सामने कबूल कर रहा है। भारत के सैन्य बलों ने हमले के अगले दिन यह जानकारी दी थी कि उन्होंने पाकिस्तान के 8 सैनिक अड्डों को निशाना बनाया है और सभी निशाने सटीक थे।

फिर छेड़ा कश्मीर राग : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर भारत के साथ वार्ता की गुहार लगाई है। हालांकि यह भी जोड़ा कि कश्मीर समेत सभी लंबित मुद्दों पर बात होनी चाहिए। शहबाज ने कहा, भारत और पाकिस्तान ने तीन युद्ध लड़े और इससे कुछ हासिल नहीं हुआ। आतंकवाद से लड़ने में हम भी पूरा सहयोग करेंगे।

सिंधु जल संधि पाकिस्तान की असली चिंता

शहबाज भले ही वार्ता की बात कर रहे हों लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान जब तक आतंकवाद पर रोक नहीं लगती तब तक पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि भी स्थगित ही रहेगी। पाकिस्तान की असली चिंता अभी यही संधि है।

परमाणु हथियारों पर दी सफाई

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफ्कत अली खान ने कहा, भारत तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है। वह पाकिस्तान के परमाणु संपत्तियों को लेकर भी अनावश्यक संदेह पैदा कर रहा है। पाकिस्तान एक जिम्मेदार देश है जो सीजफायर को लेकर प्रतिबद्ध है।

सैनिकों को दी तोपों की सलामी

शहबाज नेअपने दोस्त देशों को धन्यवाद दिया और संघर्ष विराम करवाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को खासतौर पर शुक्रिया कहा। धन्यवाद दिवस के मौके पर पाकिस्तानी सेना के मारे गए सैनिकों को इस्लामाबाद में 31 और राज्यों की राजधानियों में 21 तोपों की सलामी दी गई।

पाकिस्तान का आतंकी चेहरा होगा बेनकाब

ऑपरेशन सिंदूर: दुनिया को सांसदों की सात टीमें देंगे भारत का संदेश

नई दिल्ली। जंग के मैदान में पाकिस्तान को घुटने पर लाने के बाद भारत अब एक अहम रणनीति के तहत पाकिस्तान के आतंक समथिज़त चेहरे को दुनिया के सामने लाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने 40 सांसदों की सात टीम बनाई है, जिसमें विपक्षी दल के भी सांसद है, जो विदेशों का दौरा कर वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की पोल खोलेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत सरकार आतंकवाद के खिलाफ अपने 'जीरो टॉलरेंस' के संदेश को वैश्विक पटल पर मजबूती से रखने के लिए इस महीने के अंत में सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को प्रमुख साझेदार देशों में भेजेगी। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भारत की आतंकवाद के विरुद्ध एकमत और दृढ़ रणनीति को दुनिया के सामने रखेगा। वे आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ भारत के सख्त रुख का संदेश लेकर जाएंगे। सरकार ने इन प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले नेताओं का चयन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से किया है, जो कई वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं।

प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले प्रमुख नेता इस प्रकार हैं: रवि शंकर प्रसाद (भाजपा सांसद), बैजयंत पांडा (भाजपा सांसद), शशि थरूर (कांग्रेस सांसद), संजय झा (जदयू सांसद), कनीमोझी (डीएमके सांसद), सुप्रिया सुले (एनसीपी - शरद पवार गुट सांसद), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना सांसद)।

एनआईए ने दो स्लीपर सेल आतंकियों को किया अरेस्ट

भारत को दहलाने की साजिश रच रहा था आईएसआईएस मॉड्यूल

एनआईए ने पुणे में 2023 के आईईडी मामले में आईएसआईएस के दो भगोड़े सदस्यों, अब्दुल्ला फैयाज शेख और तल्हा खान को मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। दोनों जकार्ता से भारत लौट रहे थे, जहां वे छिपे हुए थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 2023 में महाराष्ट्र के पुणे में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बनाने और टेस्ट करने के मामले में की गई है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अब्दुल्ला फैयाज शेख उर्फ डायपरवाला और तन्हा खान के रूप में हुई है। दोनों को मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिज़नल-2 पर इमिग्रेशन ब्यूरो ने उस समय पकड़ा, जब वे इंडोनेशिया के जकार्ता से भारत लौटने की कोशिश कर रहे थे। वे काफी समय से जकार्ता में छिपे हुए थे। अब एनआईए की टीम ने उन्हें हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया है।

डीएम से कान मशीन पाकर बुजुर्ग बोला- धन्यवाद साहब

सुन नहीं पा रहे थे बुजुर्ग, डीएम ने दी मशीन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान 78 वर्षीय रामचंद्र गांव के प्रधान व कुछ दबंगों की शिकायत लेकर पहुंचे थे। वे जिलाधिकारी के सामने अपनी गुहार लगा रहे थे लेकिन कार्रवाई को लेकर कोई बात सुनने को तैयार नहीं थे। काफी देर बाद पता चला कि रामचंद्र की कान की मशीन टूट गई है और उनके पास खरीदने के पैसे नहीं है। इसलिए उन्हें कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। बुजुर्ग की स्थिति देख जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने न सिर्फ बीडीओ चौबेपुर से पूरे मामले की जानकारी ली बल्कि कुछ ही मिनटों बाद उनके लिए कान की नई मशीन मंगाकर दी। जिससे रामचंद्र काफी प्रसन्न नजर आए।

डीएम शुक्रवार को रोज की तरह कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर रहे थे। फरियादियों की लंबी कतार लगी थी। इसी बीच चौबेपुर के रायगोपालपुर निवासी रामचंद्र पहुंचे और तेज आवाज में अपनी शिकायत बताने लगे। उन्होंने कहा कि प्रधान जानबूझ कर पंचायत भवन का दरवाजा बदल कर मेरी जमीन की तरफ लगवा रहा है। इसी तरह, तालाब की जमीन पर सड़क बन जाने से पानी निकासी की समस्या हो गई है और बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ रहा है। इसी तरह, रामचंद्र ने दो अलग-अलग लोगों की कब्जे की भी शिकायत की। डीएम ने बात सुनने के बाद कुछ सवाल पूछे तो वे शांत हो गए। क्योंकि रामचंद्र को सुनाई नहीं पड़ रहा था। बाद में उन्होंने टूटी हुई कान की मशीन दिखाने के साथ अपना दर्द भी बयां किया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि बुजुर्ग की शिकायत पर जांच के लिए बीडीओ चौबेपुर को निर्देशित किया गया है। वहीं, उन्हें कान की नई मशीन दी गई है, जिससे अब रामचंद्र पूरी तरह सही सुन पा रहे हैं।

कानपुर में गोवा जैसा समुद्री रोमांच का नज़ारा दिखेगा

» गंगा बैराज बोट क्लब में न सिर्फ गंगा तटीय रमणीयता, रोमांचक जेट स्की, स्पीड बोट का आनंद मिलेगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गोवा का समुद्री रोमांच अब कानपुर में भी मिलेगा। शहर में बने बोट क्लब में न सिर्फ गंगा तटीय रमणीयता, रोमांचक जेट स्की, स्पीड बोट का आनंद मिलेगा बल्कि पैरा सेलिंग फ्लाइंग राइड का रोमांच भी उठा सकेंगे। शुक्रवार को व्यवस्थाओं को देखने के लिए बोट क्लब के सचिव प्रशासन एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार तथा सचिव जल क्रीड़ा नीरज श्रीवास्तव ने निरीक्षण किया।

एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जल क्रीड़ा की कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग नौकायन खेल में इच्छा रखने वाले खिलाड़ी और रोमांच के शौकीन लोग सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी हिस्सा ले सकते हैं। 24 मई से प्रशिक्षित कोच की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने क्लब संचालक को साफ-सफाई और सुरक्षा के मानकों के साथ सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

गंगा नदी संरक्षण के लिए बोट क्लब में प्लास्टिक के प्रतिबंध का कड़ाई से पालन कराया जाए। नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि सूर्योदय व सूर्यास्त देखने का विशेष इंतजाम होगा। दूसरा कोर्स एक से सात जून और तीसरा कोर्स 8 से 14 जून के बीच होगा।

बोट क्लब संचालक कंपनी के हाफिज शेख और शीशपाल कठैत ने बताया कि पैरा सेलिंग के लिए विशेष प्रकार की तकनीकी सुसज्जित बोट गुजरात से मंगाई गई है। इसमें पैरा सेलिंग के लिए एक साथ दस लोग बैठ सकते हैं। राइड एक साथ दो लोग या एक व्यक्ति अकेले कर सकता है। सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट, बॉडी बेल्ट और तीन सुरक्षा गार्ड साथ में रहते हैं। सुबह की सैर के लिए सदस्यता भी शुरू हो गई है।

मुआवजे में कमीशन के खेल का होगा पर्दाफाश, अमीन जाएगा जेल !

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मैनावती मार्ग पर बहु प्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी परियोजना में बांटे गए मुआवजा में बड़ा भ्रष्टाचार का खुलासा होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। मामले की खबर शासन तक पहुंची है। इस लिए केडीए के अधिकारी चौकन्ना हो गए हैं। वहीं मामले की जांच सचिव अभय पाण्डेय कर रहे हैं। निलंबित किए गए अमीन संतोष कुमार को निलंबित करने के बाद आरोप पत्र जारी कर दिया गया है। सूत्रों का दावा है कि जल्द इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी और अमीन जेल जा सकता है। वहीं सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक अमीन अकेले इतनी बड़ी रकम को कैसे हैंडल कर रहा। इसमें अधिकारियों तक आंच पहुंच सकती है।

FOLLOW UP

» सचिव ने कहा कि अमीन को आरोप पत्र दिया है, जल्द ही मुकदमा दर्ज कराया जाएगा

» न्यू कानपुर सिटी परियोजना में मुआवजे में भ्रष्टाचार में केडीए के कई अफसर लपेटे में

» ज़मीन अधिग्रहण में बांटे गए अरबों के मुआवजा में लिया जा रहा था मोटा कमीशन

रिपोर्ट के मुताबिक अधिग्रहण वाली जमीन में पारिवारिक विवाद होने के कारण मुआवजे की धनराशि 1 करोड़ 17 लाख होल्ड कर दिया गया था। रोके गए मुआवजा दिलाने के नाम पर अमीन ने डीलिंग शुरू की। 12 लाख रुपये में बात तय हुई, घूस का पैसा चेक के जरिए अपने दोस्त के खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद अमीन ने 12 लाख रुपये टीडीएस भुगतान के नाम पर और मांगे तो किसान का दिमाग घूम गया। वह सीधे केडीए पहुंच कर वीसी मदन सिंह गर्ब्यांयाल से शिकायत की तो खेल का खुलासा हुआ। वीसी ने अमीन को निलंबित करके पूरे मामले की जांच केडीए सचिव को दी है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी परियोजना में लाखों रुपए का बंदरबांट किया गया और उच्च अधिकारियों को पता नहीं चल सका।

153 हेक्टेयर जमीन किसानों से हो रही अधिग्रहित

बिठूर में केडीए न्यू कानपुर सिटी योजना ला रहा है। इसके लिए 153 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें नोडल अफसर ओएसडी डॉ रवि प्रताप सिंह हैं। बिठूर के गंगपुर चकबदा निवासी किसान मनोज राठौर ने केडीए वीसी से शिकायत की। किसान ने बताया कि आराजी संख्या 135 रकबा 0.5330 के जुज भाग रकबा 0.205 हेक्टेयर में उसकी जमीन है।

जिसे केडीए ने न्यू कानपुर सिटी योजना के लिए अधिग्रहित किया है। उसके बदले में 1.38 करोड़ रुपये मुआवजा केडीए से उसे मिलना था। जिसके बदले में लैंड बैंक अनुभाग एक में तैनात अमीन संतोष कुमार ने उससे 12 लाख रुपये लिए। मुआवजे के बदले में 12 लाख रुपये की चेक संतोष कुमार को दी। जिसे संतोष ने अपने दोस्त के खाते में लगाकर पैसा निकाल लिया। तब उसे मुआवजे की चेक दी गई।12 लाख रुपये घूस लेने के बाद अमीन ने टीडीएस के पैसे का भुगतान कराए जाने के लिए दोबारा 12 लाख रुपये मांगे। दोबारा 12 लाख रुपये न देने पर टीडीएस का भुगतानगया। वार-बार उसे टीडीएस भुगतान के लिए घूस मांगी जा रही थी। संतोष कुमार को निलंबित कर कार्मिक विभाग में अटैच किया गया है।

अरसे से चल रहा था कमीशनखोरी का खेल

किसान ने बताया कि अमीन संतोष कुमार ने घूस की चेक न देने तक मुआवजे की चेक को दबा दिया। पूछने पर अमीन ने बार-बार फाइल आला अफसरों के पास होने का हवाला दिया। घूस के रूप में हस्ताक्षर की हुई चेक मिलने के बाद ही अमीन ने मुआवजे की चेक किसान को दी।

इसके लिए उसको काफी समय तक चक्कर लगाना पड़ा। जब मुआवजे का पैसा मिल गया तो किसान को टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर लगातार लटकाया गया। चक्कर लगाकर थकने के बाद किसान ने वीसी से शिकायत की। वहीं, मुआवजे की फाइल स्वीकृति

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर शुक्रवार 16 मई, 2025 03

मुआवजे में कमीशन के खेल का असली मास्टरमाइंड कौन ?

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मैनावती मार्ग पर प्रस्तावित न्यू कानपुर सिटी परियोजना में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। जमीन अधिग्रहण का मुआवजा दिलाने के नाम पर अमीन ने 12 लाख रुपये घूस ली गई। घूस का पैसा चेक के जरिए अपने दोस्त के खाते में ट्रांसफर कराने के बाद अमीन ने 12 लाख रुपये टीडीएस भुगतान के नाम पर और मांगे तो किसान ने सीधे केडीए वीसी से शिकायत कर दी तो खेल का खुलासा हुआ। वीसी ने अमीन को निलंबित करके पूरे मामले की जांच केडीए सचिव को दे दी है लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी परियोजना में लाखों रुपए का बंदरबांट किया गया और उच्च अधिकारियों को पता नहीं चल सका। इसमें अगर उच्च स्तरीय जांच की जाती है तो बड़ा घोटाला सामने आ सकता है।

» न्यू कानपुर सिटी में लॉन्चिंग से पहले भ्रष्टाचार में अमीन संतोष कुमार निलंबित, कई और अधिकारी निशाने पर

» ज़मीन अधिग्रहण में अरबों का रुपए का मुआवजा बांटा जा चुका है

» योगी आदित्यनाथ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति पर पानी फेर रहे कई अफसर

कानपुर विकास प्राधिकरण

KANPUR DEVELOPMENT AUTHO

निलंबित किए केडीए के अमीन संतोष कुमार

का०वि०प्रा०

बिठूर में केडीए न्यू कानपुर सिटी योजना ला रहा है। इसके लिए 153 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें नोडल अफसर ओएसडी डॉ रवि प्रताप सिंह हैं। बिठूर के गंगपुर चकबदा निवासी किसान मनोज राठौर ने केडीए वीसी से शिकायत की। किसान ने बताया कि आराजी संख्या 135 रकबा 0.5330 के जुज भाग रकबा 0.205 हेक्टेयर में उसकी जमीन है। जिसे केडीए ने न्यू कानपुर सिटी योजना केलिए अधिग्रहित किया है। उसके बदले में 1.38 करोड़ रुपये मुआवजा केडीए से उसे मिलना था। जिसके बदले में लैंड बैंक अनुभाग एक में तैनात अमीन संतोष कुमार ने उससे 12 लाख रुपये मांगे मुआवजे के बदले में 12 लाख रुपये की चेक संतोष कुमार को दी। जिसेसंतोष ने अपने दोस्त के खाते में लगाकर पैसा निकाल लिया। तब उसे मुआवजे की चेक दी गई।12 लाख रुपये घूस लेने के बाद अमीन ने टीडीएस के पैसे का भुगतान कराए जाने के लिए दोबारा 12 लाख रुपये मांगे। दोबारा 12 लाख रुपये न देने पर टीडीएस का भुगतान गया। वार-बार उसे टीडीएस भुगतान के लिए घूस मांगी जा रही थी। वीसी ने किसान की बात को सुनकर तत्काल प्रभाव से अमीन संतोष कुमार को निलंबित कर दिया। पूरे मामले की जांच सचिव केडीए अभय कुमार पांडेय को दी है। संतोष कुमार को कार्मिक विभाग में अटैच किया

जब तक घूस नहीं मिली तब तक रोके रहे मुआवजा

अमीन ने घूस की चेक न देने तक मुआवजे की चेक को दबा दिया। पूछने पर अमीन ने बार-बार फाइल आला अफसरों के पास होने का हवाला दिया। घूस के रूप में हस्ताक्षर की हुई चेक मिलने के बाद ही अमीन ने मुआवजे की चेक किसान को दी। इसके लिए उसको काफी समय तक चक्कर लगाना पड़ा। जब मुआवजे का पैसा मिल गया तो किसान को टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर लगातार लटकाया गया। चक्कर लगाकर थकने के बाद किसान ने वीसी से शिकायत की। वहीं, मुआवजे की फाइल स्वीकृति के लिए सचिव स्तर तक जाती है। उसकी साइनिग अर्थारिटी सचिव ही होते है। ऐसे में महीनों फाइल केडीए में रुकना और मुआवजे के बाद टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर दोबारा 12 लाख रुपये की घूस मांगा जाना केडीए पर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि उपाध्यक्ष मदन सिंह गड़ब्याल ईमानदार और साफ छवि के अधिकारी माने जाते हैं लेकिन उनके भी कार्यकाल में इतना बड़ा घोटाला हो जाना अपने आप में सवाल खड़े कर रहा है।

2 अरब 38 लाख रुपए का बांटा गया है मुआवजा

केडीए द्वारा प्रस्तावित न्यू कानपुर सिटी परियोजना में अब तक 265 किसानों को मुआवजे के तौर पर दो अब 38 लाख रुपए बांटे जा चुके हैं । इसमें आरोप है कि 10प्रतिशत कमीशन घूस के तौर पर ली गई है इसमें जो मामला चेक से पकड़ा गया इसके बाद पूरे खेल बेनकाब हो चुका है ।

फोन उठाने से बचते रहे केडीए अफसर

घूसकांड का खुलासा होने के बाद मीडिया ने जब केडीए के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया तो अधिकारी मीडिया से बात करने से बचते नजर आए। मामले में सचिव और ओएसडी सहित अन्य कई अधिकारियों को फोन किया गया लेकिन फोन रिसीव नहीं हुए।

के लिए सचिव स्तर तक जाती है। उसकी साइनिग अर्थारिटी सचिव ही होते है। ऐसे में महीनों फाइल केडीए में रुकना और मुआवजे के बाद टीडीएस का पैसा दिलाने के नाम पर दोबारा 12 लाख रुपये की घूस मांगा जाना केडीए पर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि उपाध्यक्ष मदन सिंह गड़ब्याल ईमानदार और साफ छवि के अधिकारी माने जाते हैं लेकिन उनके भी कार्यकाल में इतना बड़ा घोटाला हो जाना अपने आप में सवाल खड़े कर रहा है।

पूर्व सेक्शन ऑफिसर को भी किया गया था कमीशन के लिए परेशान

बिठूर के पास स्थित जमीन की रजिस्ट्री के लिए शहजादे लाल पूर्व सेक्शन ऑफिसर आवास विभाग 5 को अमीन गैंग ने कमीशन के चक्कर में खूब टहलाया था, बाद में एक तत्कालीन इंजिनियर ने सख्त पैरवी करके उनका कार्य करा दिया था लेकिन बताया जा रहा है कि इसके बाद से जोन के अधिकारी और उनके बीच तालमेल बिगड़ गए थे। उनको जोन से हटा दिया गया था।

डीएम के समाधान दिवस में छोटा पड़ गया सभागार

बिल्हौर में उमड़ी फरियादियों की भारी भीड़

» भीड़ के चलते तीन बजे तक शिकायतें सुनते रहे डीएम साहब

» शिवराजपुर में नून नदी के जीर्णोद्धार का भी किया निरीक्षण

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को सैलहा ग्राम पंचायत , शिवराजपुर में हो रहे नून नदी के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने काम में तेजी लाने के साथ-साथ और भी बेहतर काम करने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने बिल्हौर ब्लॉक सभागार में आयोजित समाधान दिवस में लोगों की शिकायतें सुनीं।

फरियादियों की भीड़ के आगे सभागार छोटा पड़ गया। डीएम 3 बजे तक फ़रियादें सुनते रहे। इस दौरान सभासद अतुल ने नगर पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार की शिकायत भी डीएम से की। चौबेपुर की छात्रा भी अपनी शिकायत लेकर आई। वहीं महीने भर से तहसील में धरना दे रहे भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने भी अपनी मांगें डीएम के सामने रखीं। वहीं प्रधान संघ के अध्यक्ष महिगवां ग्राम प्रधान अजीत सिंह रजावत कई प्रधानों के साथ गांव की समस्याएं रखी।पत्रकारों ने बरौली के सरकारी जूनियर स्कूल के लिए 20 वर्षों बाद भी कोई रास्ता न होने का मामला डीएम के सामने रखा। जिस पर उन्होंने जानकारी करके कार्रवाई का आश्वासन दिया।शिवराजपुर में निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुल 16 किलोमीटर करवाए जाने वाले काम के सापेक्ष अभी तक लगभग साढ़े आठ किलोमीटर का काम किया जा चुका है। लगभग 29 लाख रुपए का भुगतान श्रमिकों को किया जा चुका है। वहीं, इस दौरान 11747 मानव दिवस सृजित किए गए। जिसमें 580 श्रमिकों द्वारा कार्य किया जा रहा है जिसमें 122 महिलाएं है। पाया गया कि 346 मीटर प्रतिदिन खुदाई का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान सीडीओ दीक्षा जैन,डीसीपी परियोजना निदेशक पी एन दीक्षित ग्राम प्रधान समेत अन्य संबंधित अधिकारी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पुलिस की रिपोर्ट न आने से मुआवजा में हो रही देरी

» कलक्टरगंज गल्ला मंडी में लगी आग में एक बुजुर्ग की हुई थी मौत

» पीड़ित की पत्नी तहसील के चक्कर काट रही

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कलक्टरगंज गल्ला मंडी में लगी आग में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। जिसकी पहचान पत्नी उर्मिला ने गया प्रसाद के रूप में की थी। आपदा में मिलने वाले मुआवजे को लेकर उर्मिला दो दिन से तहसील के चक्कर काट रही है लेकिन पुलिस की रिपोर्ट न आने से मुआवजा नहीं मिल रहा है। वहीं, आग में झुलसे पांच लोगों को भी मुआवजा देने के लिए डॉक्टर की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com
कानपुर सिटी
कानपुर,शुक्रवार 16 मई, 2025 06

कलक्टरगंज मंडी में तीसरे दिन भड़की रुई गोदाम में आग

लाटूश रोड की दो फायर टेंडर ने पाया काबू

कानपुर। कलक्टरगंज इलाके में बीते दो दिन पूर्व लगी आग धीरे धीरे भड़क उठती है। आज तीसरे दिन फिर से रुई गोदाम में आग भड़क गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और आस पास की दुकानों को चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि आग की सूचना मिलते ही लाटूश रोड से दो फायर टेंडर ट्रक आए और तत्काल कार्यवाही करते हुए आग पर काबू पा लिया गया।फिलहाल अभी तक दोबारा आग लगने के कारणों और नुकसान की जानकारी नहीं मिल सकी है। आग लगने के बाद मौके पर इकट्ठा भीड़ को काबू करने के लिए इलाकाई पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। कलक्टरगंज में आग के तांडव से करोड़ों रुपयों का नुकसान के साथ दर्जनों दुकानें स्वाहा हुई हैं। जिसमें व्यापारियों का लाखों का नुकसान हुआ था। हाल ही में कानपुर आए मंत्री नंद गोपाल से मिल कर व्यापारी नेताओं ने कलक्टरगंज अग्निकांड से हुए नुकसान की जानकारी देते हुए उनसे सरकार के द्वारा बाजार की दुकानों को पक्का करवाने और आग से हुए नुकसान का मुआवजा दिलवाने का प्रस्ताव दिया था।जिस पर उन्हें सरकार की तरफ से जल्द ही कोई ठोस आश्वासन की बात कही गई थी।

फोटो क्रेडिट- पृथ्वी गुप्ता

कलक्टरगंज गल्ला मंडी में तीन दिन पहले मंगलवार को आग लग गई थी। आग इतनी भीषण थी कि दो दिन तक फायर विभाग की टीम निरंतर प्रयास करती रही। इस अग्निकांड में पांच लोग झुलस गए थे और एक शव मिला है।

जिसकी पहचान उर्मिला ने बेल्ट के बक्कल से अपने पति गया प्रसाद के रूप में की है। वहीं, अन्य झुलसे हुए लोगों का इलाज उर्सला में चल रहा है। एडीएम वित्त विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मुआवजे की प्रक्रिया चल रही है। अग्निकांड के मृतक को चार लाख रुपये की मुआवजा राशि दी जाएगी। लेकिन, इसके लिए पुलिस की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। हालांकि शव की पहचान करने वाली उर्मिला ने तहसील में भी पति की मौत की जानकारी दी है। वहीं, घायलों को मुआवजा देने के लिए डॉक्टर की रिपोर्ट का इंतजार है। क्योंकि कितने फीसदी शरीर झुलसा है, इसके अनुसार मुआवजा दिया जाता है।

सैन्य कर्मियों के लिए नॉर्थ स्टार हॉस्पिटल में ओपीडी, सर्जिकल फीस निःशुल्क

सेना, बीएसएफ एवं पुलिस कर्मियों के लिए मिलेगी सुविधा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नॉर्थ स्टार हॉस्पिटल में भारतीय सेना, बीएसएफ एवं पुलिस कर्मियों के लिए ओपीडी, सर्जिकल फीस आजीवन नि:शुल्क होगी। शुक्रवार को हॉस्पिटल की ओर से तिरंगा यात्रा घंटाघर स्थित भारत माता प्रतिमा तक निकाली गयी। यहां हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर शोभित जायसवाल, मेडिकल डायरेक्टर डॉ अभिषेक त्रिवेदी ने भारत माता की प्रतिमा का मल्यापर्ण किया। शोभित जायसवाल ने कहा कि तिरंगा यात्रा देश की एकता को दर्शाता है कि हम सब एक हैं। नॉर्थ स्टार परिवार की तरफ से भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम को नमन किया।राष्ट्रगान के बाद यात्रा का समापन किया गया। इसमें हॉस्पिटल मैनेजर सनी सिंह, डॉ बृजेन्द्र मिश्रा, समाज सेवक संजय तिवारी, मनीष शुक्ला, सुरेंद्र सिंह ,भंडारी सोनकर, अरजीत गुप्ता, रेहान मिर्जा के साथ साथ हॉस्पिटल के डॉक्टरए जनरल एवं नर्सिंग स्टाफ मुख्य रूप से मौजूद रहे।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0वी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बी0जी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्मे शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;च्पब्न्ध्छप्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

सम्पादकीय

बंद हो मैला साफ करने की अमानवीय प्रथा

यह बेहद कष्टकारी व अमानवीय है कि 21वीं सदी में भी कुछ लोग हाथ से मैला साफ करने के व्यवसाय में लगे हैं। जहां सीवर में उतरते ही मौत उनका इंतजार कर रही होती है। लेकिन कोर्ट और सरकारों की सख्ती जमीन पर नजर नहीं आती। सरकार व स्थानीय निकाय यूं तो सीवर साफ करने के लिये कर्मचारी नहीं रखते, लेकिन ठेकेदारों के जरिये ये काम बदस्तूर जारी है। फलत- सीवर में उतरने से मरने वालों को न तो मुआवजा मिल पाता है और न ही किसी की जवाबदेही तय हो पाती है। यह दुखद ही कि छह मई को बठिंडा में एक ट्रीटमेंट प्लांट की सफाई लिए उतरे तीन लोग फिर जिंदा नहीं लौट पाए। एक सप्ताह बाद, रोहतक के माजरा गांव में एक व्यक्ति और उसके दो बेटे एक -दूसरे को जहरीले मैनहोल से बचाने की कोशिश में एक के बाद एक मर गए। पंद्रह मई को फरीदाबाद में एक मकान मालिक ने नियुक्त सफाईकर्मी को बचाने के लिए सैप्टिक टैंक में छलांग लगा दी। दोनों की ही जहरीली गैस से दम घुटने से मौत हो गई। निश्चित रूप से ये अलग-अलग दुर्घटनाएं नहीं हैं बल्कि ये व्यवस्था की विद्रूपता के चलते हुई हत्याएं हैं। जिसके कारक तंत्र की उदासीनता, अवैधता और जातीय विवशता में निहित हैं। विडंबना ही है कि रोजगार के रूप में हाथ से सफाई के रोजगार पर प्रतिबंध, सफाईकर्मियों के पुनर्वास अधिनियम 2013 तथा खतरनाक सफाई पर प्रतिबंध लगाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। ऐसे मामलों में सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी की जाती है। सुरक्षा उपकरण नदारद रहते हैं। अकसर इसकी जवाबदेही से बचा जाता है। बठिंडा में लोगों के विरोध के बाद एक निजी ठेकेदार के खिलाफ देर से प्राथमिकी दर्ज जरूर की गई, लेकिन फरीदाबाद और रोहतक में मामला दर्ज होने की कोई खबर नहीं है।

दरअसल, अक्सर सरकारी तंत्र ठेकेदारों को दोषी ठहराकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। आखिर इन ठेकेदारों को काम पर कौन रखता है। निस्संदेह, सरकारी तंत्र भी इस आपराधिक लापरवाही के लिए जिम्मेदार है। आखिर सफाईकर्मियों से जुड़े सुरक्षा मानकों की निगरानी की जवाबदेही तय क्यों नहीं होती? नगर पालिकाएं और राज्य एजेंसियां आउटसोर्सिंग की दुहाई देकर अपने कानूनी और नैतिक कर्तव्यों से बच नहीं सकती। दुर्भाग्य से इन हादसों का स्याह पक्ष जातीय विद्रूपता भी है। अधिकांश सफाई कर्मचारी समाज में हाशिये पर पड़े समुदायों से आते हैं। सफाई जैसा महत्वपूर्ण काम करने के बावजूद उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है। सीवर सफाई के लिये मशीनें खरीदने के दावों के बावजूद हाथ से सफाई का क्रम नहीं टूटता। कई जगह मशीनों के खरीदने पर करोड़ों का परिव्यय दिखाया गया, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बदली। मशीनें तो धूल फांक रही हैं और इंसानों को नरक में धकेला जा रहा है। निर्विवाद रूप से हमारे समाज पर मैनुअल स्कैवेंजिंग एक काला धब्बा है। न्यायपालिका सख्ती से इसे रोकने को कहती है, सत्ताधीश आदेश की औपचारिकता पूरी करते हैं, लेकिन फिर भी सीवर की जहरीली गैस में लोगों के मरने का सिलसिला थमा नहीं है। किसी सफाईकर्मी के मरने पर कुछ समय तो हो-हल्ला होता है, मगर फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। वक्त की दरकार है कि नगर निकायों को इन हादसों के लिये सीधे जवाबदेह बनाया जाए। सीवर की सफाई से जुड़ी मौत के लिये स्वत- कानूनी कार्रवाई, तत्काल मुआवजा और विभागीय कार्रवाई की जाए। मानवीय श्रम की जगह तकनीक के उपयोग से बहुमूल्य जीवन को बचाया जाना चाहिए।

विकल्प और भी हैं तुर्किये को सबक सिखाने के

पुष्परंजन

एर्दोआन जिस तरह पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत को साध रहे हैं, उनका इलाज, उन्हीं की भाषा में किया जाना चाहिए। भारत को चाहिए कि वह उत्तरी साइप्रस में तुर्किये के कब्ज़े के सवाल पर अपने चार सेंट्रल एशियाई मित्रों के साथ खड़ा दिखे। हिसाब हो जायेगा बराबर!तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैय्यिप एर्दोआन अपनी प्रशंसा से गद?गद हैं। पाकिस्तान में तुर्किये के राजदूत इरफान नेजीरोग्लू के साथ मुलाक़ात के दौरान शहबाज़ शरीफ ने कहा, 'राष्ट्रपति एर्दोआन ने एक बार फिर पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपने प्यार का प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान-तुर्किये भाईचारे के इतिहास में एक नया और गौरवशाली अध्याय जोड़ा है।' लेकिन, तुर्किये की इस करतूत के खिलाफ भारत में लगातार गुस्से का इज़हार किया जा रहा है।

यह विडम्बना ही है, भारत के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाने वाला तुर्किये, इन दिनों रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेज़बानी कर रहा है। लेकिन क्या तुर्किये का इलाज उसकी चंद कंपनियों को भारत में काम करने से रोकने, तुर्किये के विश्वविद्यालय इनोनु के साथ जेएनयू का शैक्षणिक एक्सचेंज समझौता रद्द कर देने भर से सम्भव है?

प्रश्न यह भी है, कि क्या जेएनयू को ऐसा कोई निर्देश मानव संसाधन मंत्रालय से गया था, कि इनोनु से 2028 तक हुआ 'एमओयू' तोड़ दो? जेएनयू का चीनी विश्वविद्यालयों के साथ विभिन्न शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के लिए एमओयू हो चुका है। इनमें संयुक्त शोध परियोजनाएं, शिक्षक-छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम, और पाठ्यक्रम विकास शामिल हैं। जेएनयू के 'ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ़ एकेडमिक नेटवर्क' ने दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के साथ 35 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। संयुक्त शोध परियोजनाओं पर पेइचिंग विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी भी की है। तुर्किये समेत इन सभी देशों से भारत के कूटनीतिक सम्बन्ध सामान्य चल रहे हैं। फिर, तुर्किये के विश्वविद्यालय 'इनोनु' के साथ जेएनयू का शैक्षणिक एक्सचेंज समझौता स्वत :स्फूर्त तरीके से रद्द कर देना, कई सवाल खड़े कर देता है। तुर्किये के विश्वविद्यालय के साथ ऐसा कर सकते हैं, तो चीनी विश्वविद्यालयों के साथ क्यों बगलगीर हैं? भारत-पाक युद्ध में चीनी मिसाइलें छूट रही थीं। चीनी रक्षा प्रणाली नहीं होतीं, तो पाकिस्तान की मिट्टी-पलीद हो जाती। लेकिन चीन के विरुद्ध चूं नहीं बोला जा रहा है।

राष्ट्रपति रिसेप तैय्यिप एर्दोआन का दोहरा चरित्र किसी से छिपा नहीं है। छद्म राष्ट्रवाद के बहाने तुर्किये की जो दुर्दशा एर्दोआन कर रहे हैं, उसकी हालिया मिसाल एक रिपोर्ट है, जिसमें जानकारी दी गई, कि तुर्किये के दस में केवल चार युवाओं को ही रोज़गार मिल सका है। एर्दोआन, ट्रंप के गुडबुक में आने के वास्ते दिलोजान से लगे हुए हैं। अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने 7 मई, 2025 को राष्ट्रपति ट्रम्प को लिखे एक पत्र में तुर्किये को एफ-35 जेट की किसी बिक्री का विरोध किया है। पत्र में चेतावनी दी गई, कि तुर्किये द्वारा एस-400 सिस्टम को बनाए रखना, उसे नाटो और अमेरिकी तकनीक के साथ असंगत बनाता है। सांसदों ने उल्लेख किया, कि 2019 में 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' के तहत तुर्किये को एफ-35 ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर प्रोग्राम से हटा दिया गया था। उन्होंने चेतावनी दी, कि तुर्किये को फिर से शामिल करना, उस कानून का उल्लंघन होगा, जो एस-400 के चालू रहने के दौरान एफ-35 के पुर्जों, या सहायता के हस्तांतरण पर रोक लगाता है।ट्रंप-एर्दोआन दोस्ती से अलहदा, भारत-तुर्किये दोस्ती पर हम वापस लौटते हैं। इस समय सरकारी से अधिक प्राइवेट प्रतिबंधों का दौर शुरू है। ली ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी, ईजी ट्रिप प्लानर्स और कॉक्स एंड किंग्स सहित प्रमुख भारतीय ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने तुर्किये और अजरबैजान के लिए प्रचार और सेवाएं भी स्थगित कर दी हैं। कॉक्स एंड किंग्स के एक कार्यकारी करण अग्रवाल ने कहा, कि कंपनी स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है, और स्थिति में सुधार होने पर परिचालन फिर से शुरू करने पर विचार करेगी। भारत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, 2024 में लगभग पांच लाख भारतीयों ने तुर्किये का दौरा किया था, जो 2019 के आंकड़ों से दोगुना है।

इतनी भी आसान नहीं यमुना की सफाई

दिल्ली सरकार की पहल

योगेश कुमार सोनी

यमुना की सफाई दिल्ली की राजनीति का केंद्रबिंदु बन चुकी है। सरकार इसे प्राथमिकता दे रही है, जबकि विपक्ष इसकी विफलताओं को उजागर कर रहा है। वैसे यमुना की सफाई से जुड़ी कई तरह की तकनीकी समस्याएं हैं जिसके निवारण के लिए समय और हाइटैक साधन जरूरी हैं।यमुना की सफाई का मुद्दा बीते विधानसभा चुनाव में इतना उछाला गया था कि वह शिक्षा, सुरक्षा व रोजगार की तरह जनता व सरकार दोनों ने ही गंभीरता से लिया। बताया यह भी जाता है कि यमुना की सफाई का मुद्दा आम आदमी पार्टी की हार का एक मुख्य कारण भी रहा। बीजेपी सरकार ने शपथ भी नहीं ली थी और सबसे पहले यमुना की सफाई शुरू करते ही वहां आरती भी शुरू कर दी। चुनाव के रिजल्ट के अगले दिन ही यमुना की सफाई व आरती करने का वीडियो जारी कर दिया था। बहरहाल, दिल्ली में बीजेपी की सरकार बने लगभग दो महीने हो चुके और सरकार इस मामले को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही है। बीते सप्ताह यमुना की सफाई के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने ऑपरेशन साहिबी रिवर बोर्ड गठित कर काम भी तुरंत शुरू किया है।

अधिकारियों के अनुसार यमुना में जितनी गंदगी है उसकी करीब 50 फीसदी से अधिक नजफगढ़ ड्रेन से आती है। यदि इसे साफ कर दिया जाता है तो यमुना में गंदगी अपने आप कम हो जाएगी। इसलिए नजफगढ़ ड्रेन में जितने भी सब-ड्रेन आकर मिलते हैं उन सभी को ट्रैप करने का प्लान बनाया गया है। पहले चरण में तिमारपुर से पंजाबी बाग के बीच लगभग 10 किलोमीटर लंबे स्ट्रेच में मिलने वाले 23 ड्रेन को ट्रैप किया जाएगा। जैसा कि सरकार बनते ही बीजेपी इस मुद्दे को हल्के में नहीं ले रही वैसे ही विपक्ष भी इस पर हर बार अपनी प्रतिक्रिया देने में पीछे नहीं हट रहा। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार को काउंटर करते हुए कहा कि यमुना की सफाई को लेकर किए गए दावे पूरी तरह खोखले साबित हो रहे हैं। यादव ने कहा कि यमुना के 7 मुख्य स्टेशनों से लिए गए पानी के नमूनों की जांच रिपोर्ट में यह पाया गया कि यमुना का पानी न तो पीने योग्य है और न ही नहाने के लायक।दरअसल, अब केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा कराई गई पानी की गुणवत्ता जांच ने सच्चाई बता दी। रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली के सातों स्थानों पर जल गुणवत्ता बेहद खराब पाई गई है। देखा जाए तो इस समय आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के पास तमाम अन्य मुद्दे भी हैं लेकिन यमुना सफाई पर ही राजनीति केन्द्रित है। समझ में यह आता है कि यमुना सफाई का मुद्दा अहम इसलिए भी है कि यमुना से कई तरह की आस्थाएं जुड़ी हैं। जब भी छठ पर्व आता है तो पूर्वांचली यमुना के कई हिस्सों पर पूजा करते हैं। जब ये लोग वहां स्नान करते थे तो पानी नहाने व आचमन के योग्य नहीं होता था। दिल्ली में रह रहे पूर्वांचली हमेशा इसका विरोध करते रहे लेकिन यदि अब भी स्थिति वैसी रही तो बीजेपी के लिए भी एक नकारात्मक संदेश जा सकता है। उत्तरी पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने पहले से छठ की पूजा के लिए अलग से घाट बनाए थे लेकिन वहां के लोगों का कहना था कि पानी स्वच्छ नहीं था और लोगों में बहुत नाराजगी भी थी लेकिन फिर भी लोगों ने विधानसभा चुनाव में बीजेपी के चोटी के नेताओं पर भरोसा किया और यमुना सफाई के आधार पर वोट दिया।बीजेपी सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

कानपुर सेंट्रल में सिटी साइड पर वाहनों की अराजकता

गेट नंबर 1 पर हर समय जाम का आलम, पैदल यात्री हो रहे परेशान

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। उत्तर भारत के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक कानपुर सेंट्रल स्टेशन के सिटी साइड गेट नंबर 1 पर अव्यवस्था का नजारा आम हो गया है। स्टेशन के विकास कार्य के चलते कई गेट अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं, जिससे यात्रियों के आवागमन के लिए फिलहाल केवल यही एक गेट चालू है। यह गेट घंटाघर की दिशा में जाने वाले यात्रियों के लिए खुला रखा गया है, लेकिन अवैध ऑटो और रिक्शा स्टैंड ने इस क्षेत्र को पूरी तरह से पाट दिया है।

अवैध वाहनों का कब्ज़ा, पैदल निकलना भी मुश्किल

गेट नंबर 1 के बाहर का दृश्य देखकर साफ कहा जा सकता है कि ऑटो व रिक्शा चालकों की मनमानी ने आमजन का चलना-फिरना दूभर कर दिया है। दिनभर यहां अवैध स्टैंड बनाकर वाहन चालकों ने रास्ता घेर रखा है। नतीजा यह है कि जाम की स्थिति बनी रहती है और पैदल यात्रियों को अपनी ट्रेन पकड़ने या बाहर निकलने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है।

विकास कार्य बना मुसीबत, प्रशासन की चुप्पी हैरान करने वाली

स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों की वजह से जब अन्य गेट बंद हैं, तब इस एकमात्र खुले गेट पर व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त होनी चाहिए थीं। लेकिन ground reality ये है कि न तो ऑटो स्टैंड को नियमित किया गया है और न ही कोई ट्रैफिक मैनेजमेंट मौजूद है।

भीषण गर्मी में लोग अपने भारी-भरकम सामान के साथ जाम में फंसकर बेहाल हो रहे हैं।अब सवाल यह है क्या प्रशासन इस अवैध कब्ज़े और यातायात की दुर्दशा पर कोई कदम उठाएगा या कानपुर सेंट्रल स्टेशन का यह गेट यूं ही रोज़ जाम और अव्यवस्था का प्रतीक बनता रहेगा?

सालों से बंद शौचालय बना गांव की बेबसी का प्रतीक

» स्वराज इंडिया की दोहरी रिपोर्टिंग के बाद भी नहीं टूटा ताला, शौचालय बना भ्रष्टाचार की ठोस मिसाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। चौबेपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में निर्मित सामुदायिक महिला शौचालय वर्षों से ताले में बंद है। लाखों रुपये की लागत से बनी यह सुविधा अब ग्रामीणों के लिए मज़ाक का विषय बन चुकी है। स्वराज इंडिया की पहली रिपोर्ट के बाद जब दोबारा टीम ने मौके पर स्थिति जानी, तो पाया कि ताला आज भी जस का तस है।

गांव में जर्जर सामुदायिक शौचालय

गांव की महिलाओं, बच्चियों और बुजुर्गों को खुले में शौच के लिए मजबूर किया जा रहा है, जिससे न केवल उनकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार की कहानी बयां करता है।

शौचालय के रखरखाव और सफाई के लिए हर साल बजट आवंटित होता है, लेकिन उस बजट का कोई उपयोग जमीन पर दिखाई नहीं देता।

ताले में बंद है अफसरों की नीयत, गांव की हकीकत चीख रही है

ग्रामीणों का साफ कहना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित भ्रष्टाचार है, जहां योजनाओं को कागज़ों पर चलाकर पैसा हड़पा जा रहा है।

शौचालय पर लगा ताला अब सिर्फ एक ताले की तरह नहीं देखा जा रहा, बल्कि यह भ्रष्ट शासन-प्रशासन का प्रतीक बन गया है।

स्वच्छ भारत मिशन जैसी देशव्यापी योजना को गांव स्तर पर किस तरह मज़ाक बना दिया गया है, इसका जीता-जागता उदाहरण शेरपुर बैरा का यह शौचालय है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द से जल्द ताले नहीं खुले और उपयोग की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

अब गांव का यह ताला पूरे सिस्टम के मुंह पर एक बड़ा सवाल बनकर लटक रहा है।

ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में मारी टक्कर, एक की मौत

बिल्हौर बाईपास हाइवे पर बक्कू नेवादा गांव के सामने हुआ हादसा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर बाईपास हाइवे के किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्राली को पीछे से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर ट्राली पर सवार एक युवक की मौत हो गई।शनिवार की सुबह करीब पांच बजे बिल्हौर थाना क्षेत्र के बक्कू नेवादा गांव के सामने

बिल्हौर बाईपास हाइवे पर ट्रैक्टर संख्या यूपी 12 बीएक्स 6563 के चालक हसरत पुत्र शकील निवासी ग्राम कूल्हेडी थाना चरथावल जिला मुजफ्फरनगर ने हाइवे किराने शौच क्रिया करने के लिए ट्रैक्टर ट्राली को रोका था। इतने में पीछे से तेज रफ़्तार आ रहे ट्रक संख्या पीबी11 सीबी 2948 ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए और एक की मौत हो गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंचे बिल्हौर कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने सभी घायलों को बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। ट्रक चालक कुलदीप सिंह पुत्र जगतार सिंह थाना कुराली जिला मोहाली पंजाब गंभीर रूप से घायल होने पर प्राथमिक उपचार करने के बाद डॉक्टर ने कानपुर रेफर कर दिया। वहीं ट्रैक्टर ट्राली सवार आकिल पुत्र शब्बीर 35 वर्ष की मौके पर मृत्यु हो गई ।

बाकी घायलों में नौशाद पुत्र शब्बीर उम्र 30 वर्ष,शहजाद पुत्र सगीर 40 वर्ष, हसन पुत्र अन्नू 45 वर्ष, हजरत पुत्र सगीर निवासी ग्राम कूल्हेडी थाना चरथावल जिला मुजफ्फरनगर का बिल्हौर सीएचसी में इलाज चल रहा है ।

इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि हाइवे से वाहनों को हटा दिया गया है। यातायात समान्य व्यवस्था से चालू है।बताया शव का पंचायत नामा भर मोर्चरी भेजा गया।

लंदन में मेयर चुने गए कनपुरियों के दामाद

» भारतवंशी राजकुमार मिश्र की विदेशी राजनीति में ऐतिहासिक छलांग

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर ग्वालटोली। कानपुर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता बीके पांडेय के दामाद राजकुमार मिश्र ने लंदन के वेलिंगबोरो शहर में भारतीय मूल की एक नई मिसाल कायम की है। मूल रूप से मिर्जापुर जिले के भटेऊरा गांव के रहने वाले राजकुमार ने हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में कंजरवेटिव पार्टी से चुनाव लड़ा और काउंसलर चुने गए। इसके बाद 23 में से 17 काउंसलरों ने उन्हें 13 मई को शहर का मेयर चुना। यह चुनाव करीब 80 हजार वोटर्स की भागीदारी से संपन्न हुआ। राजकुमार की शादी 2020 में अधिवक्ता बीके पांडेय की इंजीनियर बेटी अभिषेकता पांडेय से हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही दोनों लंदन शिफ्ट हो गए, जहां राजकुमार ने सैम आई सॉल्यूशनफ्र नाम से अपनी आईटी कंपनी शुरू की और स्थानीय समुदाय में सक्रिय भूमिका निभाने लगे। राजनीति में आने के पीछे उनका मकसद समाज के लिए कुछ ठोस और सकारात्मक बदलाव करना था।

राजकुमार ने भारत और लंदन की राजनीति की तुलना करते हुए बताया कि भारत में चुनाव प्रचार के दौरान गलियों और चौराहों पर पोस्टर-बैनर आम हैं, जबकि लंदन में चुनाव पूरी तरह मुद्दों और कार्यक्षमता पर केंद्रित होता है। उन्होंने बताया कि वहां की जनता उम्मीदवारों की योग्यता, अनुभव और योजना को ध्यान में रखकर निर्णय लेती है। राजकुमार ने यह भी कहा कि उनका अगला लक्ष्य लंदन से सांसद (एमपी) बनना है और वे इसके लिए रणनीति बनाना शुरू कर चुके हैं। उन्होंने डिफेंस, बैंकिंग और प्रशासन के क्षेत्र में काम कर जनता का विश्वास हासिल किया है।

मेयर के पास पुलिस से लेकर फाइनेंस तक की जिम्मेदारी

राजकुमार मिश्र ने बताया कि लंदन में स्थानीय प्रशासन का ढांचा पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह है। वहां जनता पहले काउंसलरों को चुनती है, जो बाद में मेयर का चुनाव करते हैं। मेयर को शहर की कानून-व्यवस्था, पुलिस व्यवस्था, वित्तीय मामलों, प्लानिंग और स्टाफिंग जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति में मेयर सीधे हस्तक्षेप करते हैं और सुधारात्मक कदम उठाते हैं। राजकुमार ने यह भी कहा कि लंदन में 'जीरो करप्शन पॉलिसी' है, जहां हर प्रस्ताव और योजना पारदर्शिता के साथ काउंसलर मीटिंग्स में तय की जाती है। यह मॉडल भारतीय व्यवस्था के लिए एक प्रेरणा हो सकता है।

उनकी पत्नी अभिषेकता पांडेय भी कम प्रभावशाली नहीं हैं। वे यूपी की पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी रही हैं और तीन वर्षों तक राज्य स्तर पर खेल में अपना दबदबा कायम रखा। अभिषेकता ने शादी से पहले इंफोसिस जैसी प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्य किया। उनके पिता बीके पांडेय और मां गीता पांडेय दोनों अधिवक्ता हैं, जबकि उनका भाई अर्जुन पांडेय भारतीय सेना में मेजर के पद पर है और वर्तमान में कश्मीर के नौशेरा सेक्टर में तैनात हैं। भारत-पाक तनाव को लेकर राजकुमार मिश्र ने कहा कि पाकिस्तान पर कार्रवाई के दौरान भारत को और अधिक निर्णायक कदम उठाने चाहिए थे और पीओके को अपने कब्जे में लेने का यह सही अवसर था। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई का वास्तविक असर एक महीने के भीतर सामने आएगा, जब नुकसान का डाटा एनालिसिस पूरा होगा।

ग्राम पंचायतों में सरकारी सफाई कर्मी नाबालिगों से करवा रहे मजदूरी

ग्राम पंचायत निगरी में बाल श्रम का मामला सामने आया

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत निगरी में बाल श्रम का मामला सामने आया है। यहां सरकारी सफाई कर्मी कमलेश गौतम नाबालिग बच्चों से सफाई का काम करवा रहा है। जांच में पता चला कि कमलेश गौतम लंबे समय से इस पंचायत में नियुक्त है। वह नाबालिग बच्चों को 300 रुपए की दैनिक मजदूरी पर काम पर लगाता है। स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मौके पर पहुंचकर जब 16 वर्षीय बच्चे से बात की गई तो उसने अपना नाम अंकित बताया। उसने कहा कि वह कस्बे के एक स्कूल में पढ़ता है, लेकिन मजबूरी में यह काम करना पड़ता है। ग्राम प्रधान किरण देवी ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सफाई कर्मी ऐसा कर रहा है तो कार्रवाई होनी चाहिए। प्रधान प्रतिनिधि विनोद ने भी इसी तरह की बात कही। जिले के डीपीआरओ ने कहा कि नियमों के खिलाफ काम करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बेलहरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी । बेलहरा में भाजपा कार्यकर्ताओं की तिरंगा यात्रा निकाली गई। राम जानकी मंदिर से फतेहपुर के लिए सुबह 7 बजे रवाना हुए कार्यकर्ता

नगर पंचायत बेलहरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा वार्ड नंबर 4 स्थित राम जानकी मंदिर से शुरू हुई। कार्यकर्ता सुनील सोनी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता सुबह 7 बजे तिरंगे के साथ फतेहपुर की ओर रवाना हुए। यह आयोजन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद किया गया। सभी कार्यकर्ता फतेहपुर में विधायक साकेंद्र वर्मा के नेतृत्व में होने वाली तिरंगा यात्रा में हिस्सा लेने के लिए एकजुट हुए। राम जानकी मंदिर पर कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर यात्रा की तैयारियां पूरी कीं।

रुदौली एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

परास्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय एम0एस0सी0 पाठ्यक्रम हेतु गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं भौतिक विज्ञान प्रत्येक विषय में 02–02 पद प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0– 9936535300

रुदौली लॉ कॉलेज
सरायपीर, भेलसर, रुदौली, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है।

प्राचार्य – 01 पद
विधि प्रवक्ता – 09 पद

योग्यता एवं वेतन आय यू0जी0सी0, बी0सी0आई0 एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 कार्य दिवसों के अंदर महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय – प्रबन्धक
मो0नं0–9936535300

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अब काम आएंगे बेकार पड़े बोरवेल,जल संरक्षण की नई राह

कानपुर देहात में 623 अप्रयुक्त हैण्डपम्प बोर से बनाए जा रहे रिचार्ज सॉफ्ट, वर्षा जल संग्रह से बढ़ेगा भू-जल स्तर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 के निर्देशन में एक अभिनव पहल की जा रही है। अब ग्राम पंचायतों में खराब हो चुके और अप्रयुक्त हैण्डपम्प के बोर को रिचार्ज सॉफ्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे वर्षा जल को धरती के भीतर समाहित कर भू-जल स्तर बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। जनपद की 618 ग्राम पंचायतों में से 623 ऐसे अप्रयुक्त बोर चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 395 पर कार्य शुरू हो चुका है और 09 रिचार्ज सॉफ्ट पूर्ण भी कर लिए गए हैं। अनुमान है कि इन सॉफ्ट्स की मदद से सालाना लगभग 849252.00 लीटर पानी संरक्षित किया जा सकेगा।

सीडीओ लक्ष्मी एन

ग्रे-वाटर प्रबंधन से जल जागरूकता को मिल रही नई दिशा-

पहली बार 24000 लीटर क्षमता वाला वाटर पिट तैयार

जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत करसा गांव में ग्रे-वाटर प्रबंधन के अंतर्गत एक विशेष वॉटर पिट तैयार किया गया है, जिसकी क्षमता 24000 लीटर प्रतिदिन है। यह पिट ग्रामीण घरों व नालियों से निकलने वाले गंदे पानी को फिल्टर कर संग्रहित करेगा,

जिससे वर्षा जल के साथ-साथ उपयोग किए गए पानी का भी संरक्षण और पुन : उपयोग संभव हो सकेगा। प्रथम चरण में जनपद की 25 ग्राम पंचायतों में यह कार्य पूरा कर लिया गया है, जिससे अन्य पंचायतों को भी प्रेरणा मिल रही है। वर्तमान में जिले के 10 में से 7 विकास खण्ड एनआरएम घोषित हो चुके हैं, जो जल संरक्षण के प्रयासों की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सचिवालय में ताला, घर बैठे मानदेय ले रही सहायिका!

» निरीक्षण के अभाव में ग्राम सचिवालयों का संचालन फाइलों तक सीमित, डीपीआरओ पर उठे सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ग्राम पंचायतों के सचिवालय, जिनके संचालन पर सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च किए, जमीनी हकीकत में निष्क्रिय साबित हो रहे हैं। सीडीओ लक्ष्मी नागप्पन द्वारा सचिवों को जियो टैग फोटो भेजने के निर्देश भी महज कागजों तक सीमित रह गए हैं। रसूलाबाद तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोपालपुर में स्वराज इंडिया की टीम ने दोपहर 12:56 बजे निरीक्षण किया तो सचिवालय बंद मिला। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सहायिका कभी-कभार ही आती हैं। ग्राम प्रधान ने भी इस पर अनभिज्ञता जताई।

जवाबदेही से बच रहे अफसर, योजनाएं हो रहीं बर्बाद

सचिवालयों के संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी डीपीआरओ, बीडीओ और एडीओ पंचायत पर है, लेकिन किसी भी स्तर पर नियमित निरीक्षण नहीं हो रहा। इससे सचिवालय संचालन सिर्फ रिकॉर्ड में दिख रहा है जबकि जमीनी स्तर पर योजनाएं दम तोड़ रही हैं। एडीओ पंचायत मलासा आदित्य शुक्ला ने सफाई देते हुए कहा कि मामले की जानकारी नहीं थी, अब पंचायत सहायिका से जवाब तलब कर कार्यवाही की जाएगी।

किसानों को सौगात

एसडीएम सर्वेश कुमार ने किया शिवाय बीज भंडार का भव्य उद्घाटन

» गुणवत्ता वाले बीज और उर्वरक अब एक ही छत के नीचे, किसानों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुरदेहात। रसूलाबाद उपजिलाधिकारी (एसडीएम) सर्वेश कुमार सिंह ने शनिवार को झींझक मार्ग स्थित झाऊलाल डिग्री कॉलेज मोड़ के पास शिवाय बीज भंडार का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नए बीज एवं उर्वरक केंद्र के खुलने से स्थानीय किसानों को बेहतर और सुलभ कृषि सामग्री उपलब्ध होगी, जिससे उन्हें समय और पैसे दोनों की बचत होगी। भारत एक कृषि प्रधान देश है और इस दिशा में सुविधाएं बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे एसडीएम का प्रतिष्ठान के संरक्षक एडवोकेट सुशील कुमार शुक्ला ने पुष्पमाला पहनाकर व राधा-कृष्ण का भव्य चित्र भेंट कर स्वागत किया। एसडीएम ने प्रतिष्ठान में उपलब्ध ब्रांडेड कृषि उत्पादों की सराहना करते हुए संचालकों को निर्देशित किया कि किसानों को 'फॉर्मर रजिस्ट्रेशन' के लिए भी प्रेरित किया जाए ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।इस मौके पर प्रतिष्ठान संचालक अभय शुक्ला कन्हैया समेत आलोक बाजपेयी, पूर्व प्रधान बाबूलाल चौहान, जीतेन्द्र त्रिपाठी, संजीव दुबे, शिवप्रकाश त्रिपाठी, कपिल पांडेय, अनुराग सिंह, पंकज त्रिपाठी, सभासद अंकुर सिंह भदौरिया सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गो-तस्करी में शामिल गैंगस्टर का हुआ हाफ एनकाउंटर

गोसाईंगंज इलाके में बेली अंडर पास के पास हुई मुठभेड़

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। एक गैंगस्टर का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। वह गो-तस्करी में फरार था। शुक्रवार की आधी रात अपने दो साथियों के साथ कार (DL vC AG 3934) से भाग रहा था। पुलिस ने गोसाईंगंज इलाके में बेली अंडर पास के पास उसे घेरने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके एक पैर में गोली लगी।

उसके दो साथी भागने में कामयाब रहे। पुलिस फरार तस्करों की तलाश रही है। सूचना पाकर मौके पर ष्टष्टक्र साउथ निपुण अग्रवाल और ACP गोसाईंगंज ऋषभ रूणवाल ने इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी से जानकारी ली।

5 मई को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गोवंश से भरा ट्रक मिला था। ट्रक में खराबी आने पर इसे तस्कर छोड़ गए थे।

कार रोकने पर गौ-तस्करों ने फायरिंग की

डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि 5 मई को एक ट्रक में 20 गोवंश मिले थे। सीसीटीवी की जांच में पाया गया कि सफेद रंग की कार में गो-तस्कर भागते नजर आए थे। पुलिस तभी से उनकी तलाश कर रही थी। शुक्रवार रात को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इन तस्करों की घेराबंदी की। तस्कर मुजफ्फरनगर का है रोकने पर कार सवार गो-तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में मुजफ्फरनगर खतौली निवासी शोएब उर्फ गैंडा के पैर में गोली लगी है। उसके पास एक कार, तमंचा और कारतूस मिले हैं। मौके से कार में सवार तस्कर के दो साथी भाग गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पूछताछ में सामने आया है कि ये लोग गो-वंश को बिहार ले जाते थे।

पकड़े गए तस्कर पर 8 मुकदमे

पकड़े गए गो-तस्कर शोएब पर उत्तर प्रदेश के अलग-अलग थानों में 8 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। उस पर हत्या, गोकशी, गैंगस्टर, पुलिस अभिरक्षा से भागने के मुकदमे हैं। 5 मई को 20 गोवंश लेकर ये लोग जा रहे थे। ट्रक में खराबी आने पर उसे छोड़कर भाग गए थे।

महिला संबंधी अपराधों पर हो प्रभावी कार्रवाई

एडीजी आलोक सिंह ने अपराध समीक्षा बैठक में पुलिस अफसरों के कसे पेंच,दिए सख्त निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। कानपुर जोन के तेजतर्रार छवि के कृतवनिष्ठ व न्यायप्रिय एडीजी आलोक सिंह एवं डीआईजी झांसी रेंज केशव कुमार चौधरी ने शनिवार को एसएसपी,एएसपी,सभी सीओ और प्रभारी निरीक्षकों व थाना प्रभारियों के साथ पुलिस लाइन्स सभागार झॉसी में अपराध समीक्षा बैठक की।इसमें अपराध एवं अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए।एडीजी आलोक सिंह ने कहा कि महिला संबंधी अपराधों के नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए।उन्होंने अपहताओं की शीघ्र बरामदगी और शातिर अपराधियों के हिस्ट्रीशीट खोलने के निर्देश दिए।

पुलिस लाइन सभागार में आयोजित बैठक में एडीजी आलोक सिंह ने कानून एवं शांति व्यवस्था,अपराध नियंत्रण व आदि के संबन्ध में समीक्षा कर सर्वसंबधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।एडीजी जोन आलोक सिंह द्वारा आपराधिक घटनाओं में तत्काल मुकदमा पंजीकृत करनें,चोरी,लूट की घटनाओं का त्वरित अनावरण करते हुए अपराधियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही,बीट के पुलिसजनों को और अधिक सक्रिय करनें तथा बांग्लादेशी तथा रोहिंग्याओ का चिन्हीकरण करनें आदि के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया।साथ ही थानों पर मुकदमा पंजीकरण में विलम्ब और विधिक कार्यवाही में ढिलाई बरतने वाले पुलिस अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया।एडीजी ने कहा आईजीआरएस प्रार्थना पत्र तथा अन्य माध्यमों से प्राप्त सभी प्रकार के प्रार्थना पत्रों का समय से गुणवत्तापूर्वक निस्तारण हेतु सख्त निर्देश दिए है.

अयोध्या विकास भवन की दीवारों में छिपा तबाही का ब्लू प्रिंट

- बारूद के ढेर पर अयोध्या का विकास भवन
- एक चिंगारी पूरे सिस्टम को कर सकती है स्वाहा
- सिलेंडर जीरो,सिस्टम सुस्त,विकास भवन में हर दिन जिंदा जलने का इंतज़ार
- धूल फांक रहे अग्नि सुरक्षा उपकरण,सिस्टम नाकाम,कर्मचारी भयभीत

समीर शाही/स्वराज इंडिया

अयोध्या। गर्मी की दोपहर, सीढ़ियों से चढ़ते हुए जैसे-जैसे मैं विकास भवन के भीतर दाख़िल हुआ, एक अजीब सा सन्नाटा महसूस हुआ—ना यह सन्नाटा लोगों की आवाज़ों का था, ना ही कागज़ों की खड़क की कमी का, बल्कि यह सन्नाटा था सुरक्षा व्यवस्था की खामोशी का। यहां की दीवारों पर टंगे फायर सिलेंडर खुद चीख-चीख कर अपनी बदहाली की कहानी सुना रहे थे, पर सुनने वाला कोई नहीं था।

स्वराज इंडिया रिपोर्टर की नज़र से

भवन के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित प्रमुख विभागों के बाहर कार्यालय में लाल रंग के सिलेंडर गायब मिले। नाजिर के कमरे में जाने पर पता चला कि वहाँ तीन सिलेंडर धूल फांकते मिले सिलेंडरों पर न तो रिफिलिंग की तारीख लिखी थी, न ही एक्सपायरी डेट। सिलेंडर में लगे प्रेशर मीटर की सुई 'जीरो' पर अटकी हुई थी—यानी ये किसी भी आपात स्थिति में सिर्फ कोने में पड़े अपने आपको कोसते रह जाएंगे।

फर्स्ट फ्लोर पर हालात और खराब

ऊपरी मंजिलों की स्थिति और भी भयावह थी। यहां तो कई विभागों के बाहर फायर सिलेंडर तक नहीं दिखे। कर्मचारियों से पूछने पर जवाब मिला—फकी यहां कोई इस तरह की व्यवस्था ही नही है हम तो खुद डरते हैं पर करें क्या?

फायर सिस्टम की गैरमौजूदगी

पूरी इमारत में कहीं भी फायर फाइटिंग पाइपलाइन, वॉटर हाइड्रेंट, स्मोक डिटेक्टर या अलार्म सिस्टम नहीं दिखा। अगर कहीं आग लग जाए, तो यहां मौजूद लोग खुद को कैसे बचाएंगे इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं था।

डीडीओ का जवाब, लेकिन कार्रवाई का इंतजार

डीडीओ महेंद्र देव पांडेय से बात करने पर उन्होंने कहा, की यह समस्या उनके संज्ञान में है फफायर सिलेंडरों की जांच जल्द कराकर उन्हें दुरुस्त कराया जाएगा और फायर विभाग को सूचित किया जाएगा। एक सप्ताह के भीतर हर हाल में प्रत्येक तल पर कम से कम दो फायर सिलेंडर लगवा दिए जाएंगे। हमे अपने कर्मचारियों के साथ यहां आने वाली आम आवाम की भी बेहद फिक्र है। उन्होंने पत्रकारो के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया कि उन्हें इतनी बड़ी समस्या से अवगत कराया। जबकि वही दूसरी तरफ विकास भवन के नाजिर ने बताया कि कुछ दिन पहले फायर सिस्टम का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है बजट आते ही लगवा दिया जाएगा।जबकि दूसरी ओर विकास भवन में मौजूद कर्मचारियों के चेहरे बता रहे थे कि यह जवाब नया नहीं है। ऐसे आश्वासन पहले भी दिए गए हैं, पर कार्रवाई ज़मीनी स्तर तक कभी नहीं पहुंची। एक क्लर्क नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं, फकभी आग लग गई तो यहां न सीढ़ी से उतरने की जगह बचेगी, न बचाव का कोई रास्ता। हर दिन हम खुद को खतरे में डालकर काम कर रहे हैं।

विकास भवन, जो जिले के प्रशासन का केंद्र बिंदु है, वहां की आग से सुरक्षा की ये स्थिति बेहद चिंताजनक है। अग्निकांडों के हालिया मामलों के बावजूद अफसरों की निष्क्रियता, कहीं भविष्य में एक बड़े हादसे का कारण न बन जाए। यह सिर्फ चेतावनी नहीं, एक खुला खतरा है जिसे अब नज़र अंदाज़ करना विनाश को न्योता देना होगा।

डीडीओ अयोध्या-महेंद्र देव पांडेय

कानपुर सहित यूपी के कई बीएसए सरकार के निशाने पर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर/लखनऊ। बेसिक शिक्षा अधिकारी अपने कार्यों को तो कभी भी समय से करते नहीं है और शिक्षकों के कार्यों में छोटी-मोटी कमियां निकाल कर उनको निकम्मा साबित करने की कोशिश करते रहते हैं। ताजा तरीन मामला शिक्षकों के पारस्परिक स्थानांतरण को लेकर के है 26 जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारी शिक्षकों के पारस्परिक आवेदन पत्रों का कई हफ्तों से सत्यापन नहीं कर पा रहे हैं, जिस कारण से परस्पर तबादले की प्रक्रिया में रुचि न लेने वाले 26 जिलों के बीएसए को शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

- 26 जिलों के बीएसए को शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने कारण बताओ नोटिस जारी किया गया
- इनपुट के अनुसार बीएसए अपने कार्यों में नहीं लेते हैं रुचि और शिक्षकों को ठहराते हैं दोषी

इसके साथ ही शुक्रवार तक आवेदनों का शत-प्रतिशत सत्यापन भी करने का निर्देश दिया था ताकि तबादले की आगे की प्रक्रिया गति पकड़ सके लेकिन अभी तक कई जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों ने यह कार्य पूर्ण नहीं किया है। इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने गोंडा, रायबरेली, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, बहराइच, वाराणसी, मिर्जापुर, महोबा, मैनपुरी, मथुरा, मुरादाबाद, औरैया, बस्ती, चंदौली, इटावा, संतकबीरनगर, शामली, उन्नाव, आगरा, बलरामपुर, फतेहपुर, हाथरस, जौनपुर, कानपुर नगर, महराजगंज, संभल के बीएसए को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन्होंने कहा है कि आवेदनों की सत्यापन की तिथि 13 मई निर्धारित की गई थी लेकिन आपके द्वारा इसे समय से पूरा नहीं किया गया। इसकी वजह से आवेदन सत्यापन की तिथि 16 मई तक बढ़ाई गई। यह विभागीय कार्यों के प्रति शिथिलता है जो किसी कीमत पर उचित नहीं है इसलिए अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराएं कि किस वजह से ऑनलाइन सत्यापन की कार्यवाही समय से पूरी नहीं की गई।निदेशक ने कहा कि बीएसए के द्वारा बताए गए कारण सही न मिलने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। वहीं सख्ती के बाद भी कानपुर नगर, औरैया, उन्नाव समेत कुछ जिलों में शिक्षकों के आवेदन का सत्यापन देर शाम तक नहीं हो सका था। ऐसे में एक बार फिर विभाग को इसकी तिथि बढ़ानी पड़ सकती है।

'पापा आप कफन ले आओ...', कह बेटे संग फंदे से लटक गई मां

तीन महीने की थी गर्भवती सामने आई ये वजह

फतेहपुर। महिला के पिता ने बताया कि बेटी तीन माह की गर्भवती थी। सास, ससुर और दामाद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदरलाल श्रीवास्तव ने बताया कि ससुरालियों को हिरासत में लिया गया है।

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में विवाहिता ने दो साल के बच्चे के साथ फंदे से लटककर जान दे दी। सास से विवाद के बाद विवाहिता ने फोन पर पिता को कफन लेकर आने की बात कही। पिता ने ससुरालियों पर बेटी को प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है

हमीरपुर निवासी संतराम की पुत्री शिल्पी (26) की शादी चार साल पहले बुद्धपाल निषाद के साथ हुई थी। महिला का एक दो साल का बेटा बबुआ भी था। पति बुद्धपाल गुजरात के सूरत में प्राइवेट नौकरी करता है। पति एक माह पहले गांव लौटा था।

परिवार में सास कलावती और ससुर रामऔतार रहते हैं। किसी बात पर शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे शिल्पी का सास कलावती से विवाद हुआ। इसके बाद शिल्पी बच्चे को लेकर घर से निकल गई। रास्ते में पिता संतराम को फोन कर बोली कि उसके लिए कफन ले आएं।

पिता ने फौरन पुत्री के ससुर व दामाद को सूचना दी। करीब दो घंटे तक परिजन खोजबीन में जुटे रहे। घर से करीब दो किमी दूर गांव किनारे नीम के पेड़ पर एक ही साड़ी के फंदे से लटके मां-बेटे मिले। आधी साड़ी के फंदे में शिल्पी और दूसरे छोर पर बच्चे के गले में फंदा कसा हुआ था।

बड़ा खुलासा : आई एस आई के लिए जासूसी कर रहे थे एजेंट

वेस्ट यूपी, दिल्ली और देहरादून के एजेंट पाकिस्तान भेज रहे थे सूचनाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पानीपत से पकड़े गए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट नोमान इलाही को लेकर जांच लगातार आगे बढ़ रही है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी में पकड़े गए कैराना के नोमान इलाही से पूछताछ और पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। कैराना के 14 युवाओं के अलावा मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और देहरादून के कई एजेंट पकड़े गए नोमान और पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट इकबाल उफ़्र काना के संपर्क में हैं। जांच में पता चला है कि कपड़े की फेरी, जन सुविधा केंद्र और प्राइवेट नौकरी की आड़ में सूचनाएं पाकिस्तान भेजी जा रही थीं। दिल्ली के युवक ने नोमान के खाते से किया ट्रांजेक्शन

पानीपत की सीआईए (क्राइम इन्वेस्टीगेशन एजेंसी) प्रथम के सूत्रों के अनुसार, आरोपी नोमान इलाही के संपर्क में विभिन्न स्थानों के युवा हैं। पूछताछ में सामने आया है कि नोमान के खाते में करीब आठ हजार रुपये की ट्रांजेक्शन दिल्ली के रहने वाले किसी युवक ने की थी। माना जा रहा है कि उक्त युवक भी नोमान के साथ जुड़कर पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा है।

इन सोशल मीडिया एप्स पर सक्रिय था नोमान, संपर्क में थे ऐसे युवा : नोमान के संपर्क में रहने वाले उक्त युवा कपड़े की फेरी, जन सुविधा केंद्र संचालन और प्राइवेट नौकरी करते हैं। सभी पर शिकंजा कसने के लिए पानीपत पुलिस स्थानीय पुलिस से भी सहयोग लेगी। इसके अलावा पता चला है कि सिर्फ आठवीं पास नोमान व्हाट्सएप ही नहीं इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी प्रयोग कर रहा था। हालांकि, अन्य प्लेटफार्म पर अभी तक की जांच में कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले नोमान को लेकर कैराना पहुंची पुलिस : पानीपत की सीआईए (क्राइम इन्वेस्टीगेशन एजेंसी) प्रथम के सूत्रों के अनुसार, आरोपी नोमान इलाही के संपकज़ में विभिन्न स्थानों के युवा हैं। पूछताछ में सामने आया है कि नोमान के खाते में करीब आठ हजार रुपये की ट्रांजेक्शन दिल्ली के रहने वाले किसी युवक ने की थी। माना जा रहा है कि उक्त युवक भी नोमान के साथ जुड़कर पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा है।

देहरादून समेत अन्य शहरों में भी संदिग्ध, की जाएगी पूछताछ : सीआईए प्रथम प्रभारी संदीप चहल का कहना है कि पूछताछ में नोमान ने कैराना के अलावा देहरादून, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर के एजेंटों का भी खुलासा किया है। सभी से पूछताछ की जाएगी।

आईएसआई एजेंट इकबाल काना का फोटो पुलिस के पास नहीं : आईएसआई एजेंट इकबाल देश के युवाओं को अपने साथ जोड़ रहा है। सेना से लेकर देश की विभिन्न गोपनीय जानकारियां मंगवाई जा रही हैं, मगर हैरत की बात है कि शामली या फिर पानीपत पुलिस के पास इकबाल का फोटो ही नहीं है। हालांकि, पुलिस फोटो जल्द मंगवाने की बात कह रही है। बिना फोटो के किस आधार पर इकबाल को पकड़ा जा सकता है खुद ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, पाकिस्तान में जाकर एजेंटों को पकड़ना संभव नहीं है। सेवानिवृत्त आईपीएस वीके शेखर ने बताया कि पाकिस्तान पुलिस और सरकार के सहयोग के बिना आईएसआई एजेंटों का पकड़ना मुश्किल है। हमीदा के अलावा एक अन्य महिला को साथ रख रहा इकबाल

आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि आईएसआई एजेंट इकबाल एजेंट हमीदा के अलावा मुस्लिम ही किसी अन्य महिला को भी साथ रख रहा है। वह भी देश के विभिन्न स्थानों पर युवाओं को झांसे में लेकर अपने साथ जोड़ रही है। हालांकि, पुलिस महिला के बारे में जानकारी हासिल कर रही है। माना जा रहा है कि इकबाल युवाओं के साथ-साथ भारत की महिलाओं को अपने साथ जोड़ रहा है।

जासूसी के आरोप में यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा गिरफ्तार

पाकिस्तान गई, भारत आने के बाद भी संपर्क में रही, भेजी कई खुफिया जानकारी

ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तान हाई कमिशन में कार्यरत दानिश नाम के अधिकारी के संपकज़ में थी और दानिश ने इसे पाकिस्तान भी भेजा था। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा की रहने वाली यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को गिरफ्तार किया गया है। अब तक पंजाब के मलेरकोटला और हरियाणा से कुल 6 पाकिस्तानी जासूसों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तान हाई कमिशन में कार्यरत दानिश नाम के अधिकारी के संपर्क में थी और दानिश ने इसे पाकिस्तान भी भेजा था। ज्योति मल्होत्रा अपना ट्रैवल चैनल चलाती है वो पाकिस्तान भी गई थी और कई खुफिया जानकारी पाकिस्तान में शेयर कर रही थी।

पूछताछ के दौरान ज्योति मल्होत्रा ने पुलिस के बताया कि उसका 'ट्रैवल विद-जो' के नाम से यू ट्यूब पर चैनल है। वो

पासपोर्ट धारक है और वर्ष 2023 में पाकिस्तान जाने के लिए वीजा लगवाने के संबंध में पाकिस्तान हाई कमीशन दिल्ली गई थी जहां उसकी मुलाकात अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से हुई थी। उसने अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश का मोबाइल नंबर ले लिया था फिर उससे बाते करन लगी थी।

पाकिस्तान की यात्रा की

उसके बाद उसने दो बार पाकिस्तान की यात्रा की जहां दानिश के कहने पर उसके जानकार अली अहवान से मिली थी, जहां अली अहवान ने उसके रुकने और घूमने फिरने का प्रबन्ध किया था। पाकिस्तान में अली अहवान ने उसकी पाकिस्तानी सिक्यूरिटी व इंटेलीजेंस के अधिकारियों से मुलाकात करवाई थी।

भेजी खुफिया जानकारी

वहीं पर शाकिर और राणा शहबाज से भी मिली थी। उसने शाकिर का मोबाइल नम्बर ले लिया व उसके मोबाइल में शाकिर का नम्बर जट रधांवा के नाम से सेव कर लिया ताकि किसी को शक ना हो। फिर वापिस भारत आ गई। फिर वो व्हाट्सऐप, स्नैप चैट व टैलीग्राम आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से सूचनाओं का आदान प्रदान करने लगी।

पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में पाई गई ज्योति

ज्योति दिल्ली में पाक हाई कमीशन में अधिकारी अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश उपरोक्त से काफी बार मिलती रही। ज्योति रानी की पूछताछ से वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में पाई गई है। ज्योति ने दुश्मन देश पाकिस्तान के नागरिक जिसको भारत सरकार द्वारा जासूसी के आरोप में परसोना-नॉन-ग्राटा घोषित किया हुआ है, से संदिग्ध गतिविधियां करके व भारत की खुफिया सूचनाओं का आदान प्रदान करके भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता को खतरे में डालने का जुर्म किया है।